अरे उड़तो उड़तो जा रे कबुतर जिन्दधणया के द्वार

अरे उड़तो उड़तो जा रे कबुतर,
जिन्दधणया के द्वार,
कागज में बातां लिख दी रे,
तू तो दिज्ये रे धणियां ने जार।bd।

बावड़ियां में बेटचो रे बाबो,
बावड़ियां में बेटचो रे बाबो,
बाबां को सरदार,
अरे गेला में तू तो मत रुक ज्ये,
कोई दिज्ये रे धणियां ने जार,
अरे गेला में तू तो मत रुक ज्ये,
कोई दिज्ये रे धणियां ने जार।bd।

जिन्दधणीया को हिरदा माई,
जिन्दधणीया को हिरदा माई,
राकुं छुं विश्वास बीरा मारा,
राकुं छुं विश्वास,
कागज़ की बातां पढ़ लेगो री,
कोई इक री पलक में आर।bd।

ऊँचा ऊँचा महल बण्या छः,
उंडी सोना की खान,
ऊँचा ऊँचा महल बण्या छः,
ऊँची सोना की खान,
बातां को कोई पार तो कोनी,
कोई लीला बड़ी छः र अपार।bd।

चेतन सैनी गावे भजन ने,
चेतन सैनी गावे भजन ने,
मन से प्रेम लगार,
कागज में बातां लिख दी रे,
तू तो दिज्ये रे धणियां ने जार।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अरे उड़तो उड़तो जा रे कबुतर,
जिन्दधणया के द्वार,
कागज में बातां लिख दी रे,
तू तो दिज्ये रे धणियां ने जार।bd।

प्रेषक – रामस्वरूप लववंशी।
ग्राम सालरखोह हरनावदा शाहजी
8107512367

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com